# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पेज: 7

इतियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 330 | शुक्रवार 13 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


### एलपीजी संकट पर प्रियंका गांधी का पीएम मोदी को जवाब- उम्मीद है आप सही हों, लेकिन ऐसा लगता नहीं

**नई दिल्ली एजेंसी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से घबराहट न करने का आग्रह करने और यह कहने के एक दिन बाद कि भारत कोविड महामारी की तरह ही एलपीजी सिलेंडर संकट से उबर जाएगा, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को उम्मीद जताई कि पीएम मोदी सही हैं, लेकिन स्थिति पर संदेह व्यक्त किया। देशव्यापी एलपीजी की कमी की खबरों के बीच पीएम मोदी के आश्वासन पर कांग्रेस सांसद ने पत्रकारों से संक्षेप में कहा कि मुझे उम्मीद है कि वह सही हैं, लेकिन ऐसा लगता नहीं है। लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आने वाले दिनों में एलपीजी की समस्या और गंभीर हो जाएगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों के हितों और ऊर्जा आवश्यकताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

# तथ्यों से भरा, संसदीय परंपराओं के महत्व को बताया, पीएम मोदी ने की अमित शाह के भाषण की प्रशंसा

**नई दिल्ली एजेंसी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में दिए गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इस भाषण में संसद की परंपराओं के महत्व और देश की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयास का जिक्र था। पीएम मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गृह मंत्री अमित शाह का शानदार भाषण। उनका भाषण तथ्यों से भरा हुआ है और संसदीय परंपराओं के महत्व के साथ-साथ देश की प्रगति के लिए मिलकर काम करने के महत्व को भी बताता है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कल बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। लगभग 4

दशक के बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है। उन्होंने संसदीय राजनीति और सदन के लिए यह अफसोसजनक घटना करार दिया। अमित शाह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दल के नहीं होते बल्कि सदन के होते हैं और सदन के सभी सदस्यों के अधिकारों के संरक्षक होते हैं। स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई साहसिक घटना नहीं है। उन्होंने कहा कि लगभग 13 घंटों तक पक्ष-विपक्ष ने इस पर चर्चा की है और 42 से अधिक सांसदों ने इसमें हिस्सा लिया है। स्पीकर के निर्णय को अंतिम मानने के विपरीत विपक्ष ने स्पीकर की निष्ठा पर सवालिया निशान खड़ा किया है। शाह ने कहा कि लोकसभा भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत है और न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में हमारे लोकतंत्र की एक साख बनी है और पूरी दुनिया इसे स्वीकार करती है। जब इस पंचायत के मुखिया की

### 17वीं लोकसभा में 274 और मौजूदा लोकसभा......

**केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 16वीं लोकसभा में 331 बैठकें हुई, 17वीं लोकसभा में 274 और मौजूदा लोकसभा में 2025 तक 103 बैठकें हुई। वर्ष 2025 का बजट सत्र 118 प्रतिशत उत्पादकता वाला रहा। उन्होंने कहा कि 16वीं लोकसभा की उत्पादकता 91...**

निष्ठा पर सवालिया निशान लगता है तो सिर्फ देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम भी विपक्ष में रहे हैं और उस दौरान तीन बार स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया, लेकिन हमारी पार्टी और गठबंधन ने कभी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया है, स्पीकर की गरिमा का संरक्षण करने का काम किया है और स्पीकर से हमारे कानूनी अधिकारों के संरक्षण की मांग भी की है। शाह ने कहा कि हम कभी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाए। अपने भाषण में अमित शाह ने कहा कि लोकसभा के नियम 374 में अव्यवस्था, अनुशासनहीनता की स्थिति में स्पीकर को चेतावनी देने, नामित करने, निष्कासित करने और निलंबन का अधिकार है। उन्होंने कहा कि आंदोलन और एक्टिविस्ट को सदन में सदन के नियमों के अनुसार ही चलना पड़ेगा। शाह ने कहा कि नियम 375 के तहत गंभीर अव्यवस्था की स्थिति में सदन को स्थगित करना होता है। उन्होंने कहा कि नियम 380 के अधीन स्पीकर को असंसदीय शब्दों और टिप्पणियों को कार्यवाही से हटाने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि लय में की गई असंसदीय टिप्पणियां संसद के इतिहास में नहीं रखनी चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आने वाले सासंद भी यही संस्कार लेकर जाएंगे। शाह ने कहा कि असंसदीय शब्दों की सूची सदन के अस्तित्व में आने से लेकर आज तक इस पद पर बैठे अनेक महानुभावों ने बनाई और वह सब पर बाध्यकारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को संविधान ने अधिकार दिया है

## राष्ट्रपति मुर्मू के अयोध्या दौरे से पहले एक्शन में सीएम योगी, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

**लखनऊ एजेंसी:** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या के सीएफसी सभागार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा के संबंध में समीक्षा बैठक की। अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट निखिल टिकाराम फुंडे ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करेंगी। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए जिला मजिस्ट्रेट फुंडे ने कहा कि राष्ट्रपति की यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। योगी ने कहा कि राष्ट्रपति 19 मार्च को जिले में आ रही हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। आयुक्त, एडीजी और डीआईजी ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

सभी को निर्देश मिल चुके हैं। सभी विभाग उसी के अनुसार काम कर रहे हैं और 19 तारीख का कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित किया जाएगा। 19 तारीख हिंदू नव वर्ष का पहला दिन भी है। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए मंदिर अधिकारी कोई वीवीआईपी पास जारी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बात को ध्यान में रखते हुए, हम यहां लोगों के लिए सुगम दर्शन सुनिश्चित करेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालु दर्शन कर सकें। उस दिन मंदिर के दर्शन एक घंटा पहले शुरू होंगे और देर रात तक जारी रहेंगे... आम श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए, कोई वीवीआईपी पास या कोई विशेष पास जारी नहीं किया जाएगा। दर्शन निर्बाध रूप से जारी रहेंगे। राष्ट्रपति और हमारे गणमान्य व्यक्तियों के आगमन और पूजा के समय ही कुछ क्षणों के लिए दर्शन बंद किए जाएंगे। बाकी सभी अनुष्ठान जारी रहेंगे। इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को नई दिल्ली में 'जल महोत्सव 2026' को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से जुड़ा हुआ है। इतने वर्षों तक, ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को दूर-दूर से पीने का पानी लाना पड़ता था। स्वच्छ जल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का मामला नहीं था; यह समय, स्वास्थ्य और सम्मान का मामला था।

## असम चुनाव से पहले जुबानी जंग तेज, सीएम हिमंत बोले- पवन खेड़ा का अंतिम संबोधन जेल में होगा

**अमस एजेंसी:** अमस में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपो पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए असम में किसी उग्रवादी संगठन से संपर्क करने की कोशिश करने के आरोप में पवन खेड़ा के नाम पर तीन-चार मामले दर्ज किए जा चुके हैं। तो जेल कौन जाएगा? यह तो चुनाव के बाद ही पता चलेगा। मुझे लगता है कि पवन खेड़ा का अंतिम संबोधन असम की जेल में ही होगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार द्वारा महिलाओं को वित्तीय सहायता वितरण सहित अंतिम समय में उठाए गए कदम आगामी विधानसभा चुनावों में असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

को सत्ता में वापस लाने में मदद नहीं करेंगे। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया और संचार अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सहित अपने मंत्रियों के हितों के लिए काम करती है। गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए, खेरा ने दावा किया कि सरमा ने 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले ढाका में एक मौलवी से मुलाकात की थी। खेड़ा ने कहा कि मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे इसका खंडन करें। उन्होंने उस मौलवी की सलाह पर भाजपा में शामिल हुए।ह्व इस आरोप पर मुख्यमंत्री या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। खेड़ा ने कहा कि सरमा ने 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और उसके बाद 2016 के असम विधानसभा चुनावों में पार्टी को पहली जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके सहयोगी राज्य में अगली सरकार बनाएंगे और जिसे उन्होंने नया असम मॉडल बताया, उसे लागू करेंगे। तुलना करते हुए, खेड़ा ने कहा कि कुछ छात्र पूरे साल पढ़ाई नहीं करते और परीक्षा से कुछ दिन पहले ही तैयारी शुरू करते हैं। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा सरकार भी इसी तरह की स्थिति में है, जो चुनावों से ठीक पहले अचानक कदम उठा रही है।

## एलपीजी संकट पर विपक्ष का हंगामा, कंगना रनौत बोलीं- ये जनता को गुमराह करने की साजिश है

**नई दिल्ली एजेंसी:** भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कथित एलपीजी संकट से देश को उसी तरह निकालेंगे जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान निकाला था। रनौत ने एलपीजी सिलेंडर संकट पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। कंगना रनौत ने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देख रही है। दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन हमारे देश में हर दिन नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। एलपीजी की स्थिति को लेकर पूर्ण आश्वासन दिया गया है, लेकिन वे (विपक्ष) दहशत फैलाने और जनता को गुमराह करने के लिए यह (विरोध प्रदर्शन) कर रहे हैं। जनता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा रखना चाहिए, जो कोविड महामारी के दौरान की तरह ही नेतृत्व करेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल

गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को संसद परिसर में एलपीजी गैस सिलेंडरों की देशव्यापी कमी की खबरों के विरोध में अपना प्रदर्शन जारी रखा। भारत गठबंधन के नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच एलपीजी की कथित कमी पर चर्चा की मांग की है। एलपीजी की कमी का संकट देश के कई हिस्सों में भी व्याप्त है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को संसद में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कमी की खबरों पर चर्चा करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि संसद जनता को आश्वस्त करने और ऐसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने का मंच है। ऐसे मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। सरकार को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। आप जानते हैं कि एलपीजी सिलेंडर के लिए कितनी लंबी लाइनें लगती हैं... कुछ रेस्तरां ने कहा है कि उनके पास खाना पकाने के लिए गैस नहीं है, वे चाय तो दे सकते हैं, लेकिन डोसा नहीं। क्या देश में अभी यही स्थिति है? आप जानते हैं कि कीमतें बढ़ गई हैं। यह एक ऐसा मंच है जहां हम इन सभी मुद्दों को जनता के सामने रख सकते हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि इस पर चर्चा हो और सरकार जनता को आश्वासन दे। ऐसा नहीं हो सकता कि वे मनमानी से सरकार चलाएं।

## तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर आंकड़ों से वार, कहा- बिहार हर विकास सूचकांक में फेल

**बिहार एजेंसी:** राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में राज्य ने सभी विकास सूचकांकों पर सबसे खराब प्रदर्शन किया है। तेजस्वी का यह हमला ऐसे समय में आया है जब नीतीश कुमार अपनी 'समृद्धि यात्रा' पर हैं और आरजेडी के शासनकाल के 'जंगल राज' के विपरीत अपने शासनकाल में हुए बिहार के विकास की बात कर रहे हैं। नीतीश और उनकी सरकार पर हमला करते हुए तेजस्वी ने 'एक्स' पर लिखा कि बिहार एक अनूठा और अद्वितीय राज्य है जहां एनडीए की दो इंजन वाली सरकार दशकों से सत्ता में है, फिर भी यह देश का सबसे गरीब राज्य है, जहां देश में सबसे अधिक पलायन, सबसे अधिक अपराध, सबसे अधिक भ्रष्टाचार, सबसे अधिक बेरोजगारी, सबसे अधिक बहुआयामी गरीबी और साथ ही देश में सबसे अधिक स्कूली शिक्षा छोड़ने की दर है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरी ओर, बिहार में देश में सबसे कम साक्षरता दर, सबसे कम प्रति व्यक्ति आय, सबसे कम किसानों की आय, सबसे कम प्रति व्यक्ति निवेश, सबसे कम प्रति व्यक्ति उपभोग, सबसे कम कंप्यूटर साक्षरता, सबसे कम बिजली की खपत, सबसे कम बुनियादी ढांचा, सबसे कम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सबसे कम औद्योगिक इकाइयां और स्कूलों में कंप्यूटर और आईसीटी प्रयोगशालाओं की सबसे कम संख्या है। नीतीश सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि देश में विकास के सभी सूचकांकों में बिहार का प्रदर्शन सबसे खराब है, शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं/सुविधाओं में सबसे खराब प्रदर्शन है

## अमेरिका-ईरान युद्ध पर राहुल गांधी की बड़ी चेतावनी, बोले- ये तो सिर्फ शुरूआत है, असली दर्द बाकी है

**नई दिल्ली एजेंसी:** लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार की रुकावट या बंद होने से भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति सीधे तौर पर प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि एलपीजी की उपलब्धता को लेकर चिंता पहले से ही फैल रही है और संघर्ष बढ़ने पर यह और भी गंभीर हो सकती है। ऊर्जा सुरक्षा को किसी भी देश के लिए मूलभूत बताते हुए गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि भारत को अमेरिका को इस बात पर प्रभाव डालने की अनुमति क्यों देनी चाहिए कि वह गैस कहां से खरीदे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान आपस में लड़ रहे हैं। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20% प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस

का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। अभी तो बस शुरूआत हुई है। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर व्यापक दहशत फैली हुई है... यह तो बस शुरूआत है। गांधी ने आगे कहा कि हर राष्ट्र की नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा है। अमेरिका को यह तय करने देना कि हम किससे तेल खरीदें, किससे गैस खरीदें और क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं...विभिन्न तेल आपूर्तिकताओं के साथ हमारे संबंध हम खुद तय कर सकते हैं। यही सौदा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत जैसा राष्ट्र किसी दूसरे राष्ट्र को, किसी दूसरे राष्ट्र के राष्ट्रपति को, हमें रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने या यह तय करने की अनुमति क्यों देगा कि हमारे संबंध किसके साथ हों। राहुल गांधी ने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर तंज कतसे हुए कहा कि मैंने पहेली सुलझा ली है और पहेली समझौते से जुड़ी है। हमारे सामने यहां एक सज्जन बैठे हैं जो तेल मंत्री हैं। उन्होंने खुद कहा है कि वे श्री एपस्टीन के मित्र हैं।

# मध्य पूर्व संकट से फारूक अब्दुल्ला पर हमले तक, दोनों सदनों में उठे अहम मुद्दे

**नई दिल्ली एजेंसी:** संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है। दोनों सदनों में आज अलग-अलग मसलों को लेकर विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। इसके साथ ही लोकसभा में ईंधन संकट पर चर्चा हुई। इसके अलावा जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा भी संसद में उठाने की कोशिश हुई। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के 1 दिन बाद आज ओम बिरला ने फिर से कार्यवाही का संचालन किया। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को भाजपा सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति में काफी सुधार आया है और अब वहां विभिन प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश में ईंधन की कथित कमी का मुद्दा उठाते हुए बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और एप्स्टीन फाइल का उल्लेख किया, जिस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें रोकते हुए कहा कि वह नियम के तहत ही बोल सकते हैं। लोकसभा की कार्यवाही लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि होरमुज जलसंधि में किसी भी प्रकार की रुकावट या

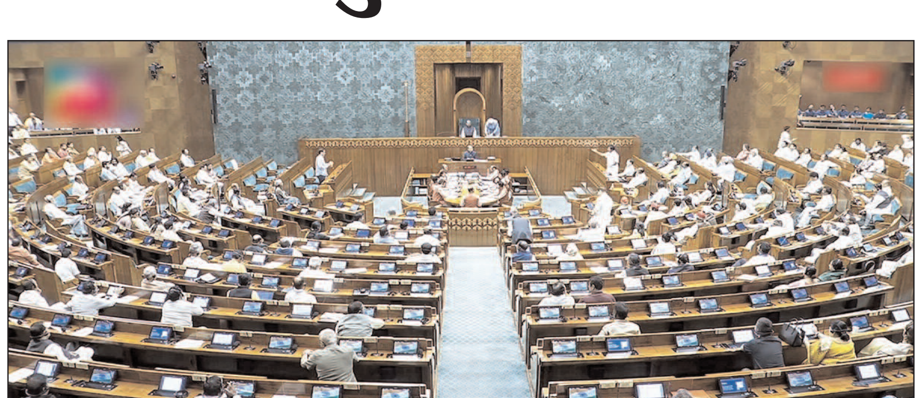

बंद होने से भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति सीधे तौर पर प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि एलपीजी की उपलब्धता को लेकर चिंता पहले से ही फैल रही है और संघर्ष बढ़ने पर यह और भी गंभीर हो सकती है। ऊर्जा सुरक्षा को किसी भी देश के लिए मूलभूत बताते हुए गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि

**संसद के बजट सत्र में मिडिल ईस्ट संकट से उपजे संभावित ईंधन संकट को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया, जिस पर सरकार ने देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कमी से इनकार किया। लोकसभा में राहुल गांधी ने होर्मुज जलडमरुमध्य से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने**

भारत को अमेरिका को इस बात पर प्रभाव डालने की अनुमति क्यों देनी चाहिए कि वह गैस कहां से खरीदे। गांधी ने आगे कहा कि हर राष्ट्र की नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल और केरोसिन की कोई कमी नहीं है, एलपीजी उत्पादन में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और सरकार की प्राथमिकता है कि देश में करोड़ों परिवारों की रसोई में खाना पकाने के लिए गैस की कमी नहीं रहे। ईरान और अमेरिका-इजराइल के युद्ध के कारण देश में होर्मुज जलडमरुमध्य में बने प्रतिकूल हालात का जिक्र करते हुए पुरी ने लोकसभा में कहा कि पश्चिम एशिया के संघर्ष में कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद भारत को इसके परिणामों से पार पाना होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष के दिए आदेश का उल्लंघन करते हुए संसद भवन के मकर द्वार पर पिकनिक मनाई है। उन्होंने आसन से आग्रह किया कि इसे लेकर राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने देश में एलपीजी संकट से निपटने और ऐसे अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को सरकार से तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की। वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांग के दूसरे बैच पर, लोकसभा में चर्चा में हिस्सा लेते हुए

# संपादकीय

## ईरान युद्ध 'चूल्हे' तक

ईरान युद्ध का असर हमारी रसोई और चूल्हे तक आ जाएगा, यह आकलन करने में केंद्रीय कैबिनेट ने 11 दिन खपा दिए। अंततः कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को ऐसे निर्देश देने पड़े कि सभी मंत्रालय आपस में मिल कर काम करें। संभावित चुनौतियों के लिए तैयार रहें। देशवासियों पर युद्ध का असर कम पडना चाहिए। प्रधानमंत्री ने ह्यचुनौतीह्न की बात स्वीकार की है और 'चाहिए' शब्द का इस्तेमाल कर उपदेश दिया है। यह क्यों नहीं हो सकता कि खुद प्रधानमंत्री मंत्रियों के स्तर पर समन्वय करें। चूंकि वह देश के सर्वोच्च, संवैधानिक कार्यकारी प्रमुख हैं, लिहाजा उन्हें देश को संबोधित कर हकीकत बयां करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने नोटबंदी, कोरोना वैश्विक महामारी, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई बार राष्ट्र को संबोधित किया है। देशवासियों ने उन्हें भरपूर समर्थन और सहयोग भी दिया है। बहरहाल भारत में करीब 19.5 करोड़ घन मीटर गैस की खपत औसतन हर रोज होती है, जबकि गैस का घरेलू उत्पादन करीब 10 करोड़ घन मीटर ही है, जाहिर है कि भारत को गैस आयात करनी पड़ती है। इसमें रसोई गैस एलपीजी के अलावा, एलएनजी, पीएनजी, सीएनजी भी हमारी जिंदगी की सक्रियता के लिए बेहद अनिवार्य हैं। उनके बिना जिंदगी, समाज और कारोबार का चक्का ही जाम हो जाएगा। पीएनजी पाइपलाइन के जरिए हमारे घरों तक जाती है और 1.62 करोड़ इसके कनेक्शन हैं। एलपीजी के 33 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। सीएनजी वाहनों में इस्तेमाल की जाती है। एलएनजी खाद के प्लांट से लेकर औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण की इकाइयों के लिए ह्यसंजीवनीह्न है। प्रधानमंत्री मोदी देश को संबोधित कर खुलासा कर सकते हैं कि भारत ने अमरीका के साथ 22 लाख टन गैस का सौदा किस आधार पर किया है? इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नॉर्वे, पश्चिम अफ्रीका, नाइजीरिया, अंगोला और अल्जीरिया सरीखे देशों से पर्याप्त गैस की आपूर्ति का अपडेट क्या है? ये छोटे, पिद्दी से देश भारत जैसे विराट, विशाल देश को गैस सप्लाई कर रहे हैं, लेकिन खुद 78 साल का भारत अपने लिए गैस का पर्याप्त उत्पादन करने में सक्षम क्यों नहीं हो सका? यह वाकई यक्ष-प्रश्न है।

### चिंतन-मनन

## जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्रे परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे।

परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।


## आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552


# बदलता नेपालः बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मयार्दाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दरअसल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

# साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमजान

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमजान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत ) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज -इबादत ) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं । उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीँ हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे।

देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ़्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान ) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें । नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें खुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मजबूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमजान में सांकेतिक रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्ख़ियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम -नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फकीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

# अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद्द तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वाताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वाताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है। भारत के पास युवा शक्ति की बेजोड़ उपलब्धता है, विभिन्न क्षेत्रों में इनके कौशल को विकसित कर, भारत आज पूरे विश्व को श्रमबल उपलब्ध करा सकने की क्षमता रखता है और भारतीय सनातन संस्कृति को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव के साथ, पूरे विश्व में फैला सकता है ताकि विभिन्न देशों में हो रहे संघर्षों को कम अथवा समाप्त किया जा सके।

# जिलाधिकारी की आमजन से अपील भ्रामक खबरों व अफवाहों पर ध्यान न दें, गैस सिलेण्डर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि जनपद अमरोहा में गैस की उपलब्धता की कोई कमी नहीं है। उपभोक्ताओं को आवश्यकता के हिसाब से गैस सिलिण्डर उपलब्ध कराने एवं कालाबाजारी रोकने के लिए टीमें गठित की गई हैं जो लगातार भ्रमणशील रहकर गैस एजेन्सियों पर घरेलू गैस की उपलब्धता, मांग व आपूर्ति तथा मूल्य पर सतत निगरानी रखे हुए हैं। इसके अतिरिक्त यह टीमें निरन्तर भ्रमणशील रहकर गैस सिलेन्डरों की जमाखोरी, कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। गैस सिलेण्डर की कालाबाजारी रोकने के लिए शत प्रतिशत ओ०टी०पी० के माध्यम से बुकिंग के उपरान्त डिलीवरी की जा रही है। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त गैस उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। गैस एजेन्सियों पर लम्बी कतारें व भीड़ लगाने से बचें। बताया कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेण्डर की डिलीवरी बुकिंग के पश्चात नियमानुसार की जा रही है। निधि गुप्ता वत्स द्वारा सभी एल०पी०जी० विक्रय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में गैस सिलेण्डर की किसी भी तरह की कालाबाजारी व जमाखोरी न होने पाये तथा कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत की जांचोपरान्त दोषी के विरूद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिला पूर्ति कार्यालय पर गैस सम्बन्धी समस्या हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष न0-05922-297122 है। गैस संबंधी समस्या के संबंध में महेश मीना, सेल्स आफिसर, सेल्स आफिसर, एच0पी0सी0 (गैस), जिला नोडल अधिकारी, पी0एम0उ0वाई0 । मो0नं0-8655436283, प्रिया अग्रवाल, सेल्स आफिसर, आई0ओ0सी0 (गैस), मो0नं0-8218263017, प्रतीक भाटिया, सेल्स आफिसर, बी0पी0सी0 (गैस) मो0नं0-9829655726, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी असाधारण गजट दिनांक-09.03.2026 के द्वारा प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 लागू किया गया है। जिसके दृष्टिगत सभी गैस एजेन्सियों जनपद अमरोहा को गैस कनेक्शनधारकों को निर्बाध रूप से घरेलू एल०पी०जी० गैस (14.2 कि0ग्रा0) आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

# जनपद में गैस की उपलब्धता की नहीं है कोई कमी : जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स

**अमरोहा (सब का सपना):-** मौ. हुसैन अल्वी ने रमजान माह की फजीलत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साल के तमाम महीनों में रमजान सबसे अफजल और बरकतों वाला महीना है। और कहा कि इसी पवित्र महीने में कुरान मजीद नाजिल हुई, जिसने पूरी इंसानियत को एक बेहतरीन और मुकम्मल कलाम-ए-पाक अता किया, जिसमें जीवन की हर समस्या का समाधान मौजूद है। मौ॰ हुसैन अल्वी ने कहा कि अल्लाह तआला ने रमजान को रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना बनाया है। इस पाक महीने में की गई छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी नेकी को अल्लाह कई गुना बढ़ाकर उसका सवाब अता करता है। और मुसलमानों से अपील कि अगर किसी को रमजान का महीना नसीब हो, तो उसे चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा इबादत करे, और भविष्य में की गई गलतियों की माफी मांगे और रोजा, नमाज, तिलावत-ए-कुरान और दुआ के जरिए अल्लाह को राजी करने की कोशिश करे और अपने गुनाहों की माफी मांगे। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना इंसानियत का सबक देता है। इस महीने में अल्लाह अपने बंदों के गुनाह माफ फरमाता है, बशर्ते कि इंसान सच्चे दिल से तौबा करे।और मौ हुसैन अल्वी ने समाज से यह भी अपील की कि यह खासकर ध्यान रखें आज पड़ोस में या अपनी जबरदस्ती से रमजान के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और किसी की वजह से कोई परेशान न हो। जरूरतमंदों, गरीबों, बेसहारा लोगों और रोजेदारों की मदद करना रमजान की असल रूह है और इसका अल्लाह ताला बहुत बड़ा शबाब देता है। अंत में उन्होंने कहा कि रमजान के पाक महीने में मुसलमान भाई ज्यादा से ज्यादा सदका, जकात और खैरात करें इसका जवाब कई गुना बढ़कर मिलता है और आपसी भाईचारे को मजबूत करें और समाज में भाईचारा बनाए रखें।

# हसनपुर में रु140 मांगने पर दरोगा ने ठेले वाले को मारे थप्पड़, जब्त किये नारियल

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के कोतवाली हसनपुर में एक रेहड़ी पटरी वाले द्वारा दरोगा से नारियल के पैसे मांगने पर दरोगा द्वारा उस ठेले वाले को थप्पड़ मारने और उसके नारियल जब्त करने का आरोप है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया जिसके बाद पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने आरोपी दारोगा को लाइन हाजिर कर दिया और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। बता दें कि जानकारी के मुताबिक मोहल्ला काला शहीद निवासी सागर अमरोहा बस अड्डे के पास नारियल पानी का ठेला लगाता है। आरोप है कि हसनपुर बस स्टैंड चौराहे पर तैनात ह्यक्रिटिकल कॉरिडोर टीमह्ल के प्रभारी उप-निरीक्षक ईशम सिंह अपने साथी के साथ वहां पहुंचे और दो नारियल पानी पिया। जब सागर ने 140 रुपए मांगे तो दरोगा कथित तौर पर नाराज हो गए।पीड़ित सागर का आरोप है कि दरोगा ईशम सिंह ने उसे थप्पड़ मारे और दुकान हटाने की धमकी दी। इसके बाद उसके नारियल जबरन पुलिस की गाड़ी में भरवाकर कोतवाली ले गए। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के प्रदेश महासचिव मुकेश गुप्ता ने इसे ह्यपुलिस की लूटह्ल बताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। व्यापारियों के दबाव के बाद पुलिस ने युवक के नारियल वापस कर दिए, हालांकि सागर का आरोप है कि लौटाए गए सामान में से तीन नारियल कम थे।दूसरी ओर, उप-निरीक्षक ईशम सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि यह कार्रवाई अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत की गई थी। हालांकि वायरल वीडियो में नारियल पुलिस की गाड़ी में लादे जाते दिखाई दे रहे हैं, जिससे उनके दावे पर सवाल उठ रहे हैं।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने देर शाम उप-निरीक्षक ईशम सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। साथ ही क्षेत्राधिकारी हसनपुर को पूरे मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है। जांच में दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

# यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस ने अतिक्रमण करने वालों पर कसा शिकंजा, काटे चालान

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के कस्बा हसनपुर में गुरुवार को यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया। यातायात प्रभारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने हसनपुर के संभल चौराहे और अतरासी तिराहा क्षेत्र में सड़क किनारे फैले अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। ज्ञात रहे कि हसनपुर कस्बे में संभल अड्डे के आसपास फल-ठेलों और अन्य सामान के फड़ से सड़क घिरी हुई थी, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। राहगीरो व वाहन चालकों की परेशानी को देखते हुए यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में अतिक्रमा हटाओ अभियान के अंतर्गत ठेलों को हटवाया गया और अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई। साथ ही, नो-पार्किंग जोन में खड़े बाइक-कार व अन्य वाहनों के चालान किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में जाम की स्थिति में सुधार हुआ और यातायात सुचारू रूप से चलने लगा।

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने कदम की सराहना की। यातायात प्रभारी ने कहा कि यदि फिर से अतिक्रमण किया गया तो ऐसे अतिक्रमण कार्यों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

# डीएम के निर्देश पर जनपदभर में गैस ऐजेन्सियों पर गठित टीम ने की जांच

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशन में जनपद में प्रचलित 37 गैस ऐजेन्सियों पर आपूर्ति कार्यालय के क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, संबंधित तहसील के नायब तहसीलदार, तहसीलदार को नामित कर कुल 14 टीमें गठित की गयी, जिन्हें भ्रमणशील रहकर नामित गैस ऐजेन्सियों पर उपलब्ध गैस की स्टाक की मात्रा वितरण प्रणाली की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया जिसके क्रम में गुरुवार को जनपद में नामित कर्मचारी / अधिकारीयों द्वारा जनपद की ऐजेन्सियों पर औचक निरीक्षण किये गये। समस्त गैस ऐजेन्सियों पर घरेलू गैस सिलेण्डरों (14.2 किग्रा) का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सभी गैस ऐजेन्सियों के द्वारा आनलाईन ओ०टी०पी० बेस्ड गैस बुकिंग के सापेक्ष होम डिलीवरी की जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी गैस कनैक्शनधारकों से अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास न करें तथा अनावश्यक रूप से गैस सिलेण्डरों का भण्डारण न करें।

# जनपद के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को प्रदेश में मिला प्रथम स्थान

## यूपी में नंबर वन बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 3 महीने में 2.44 लाख मरीजों का हुआ इलाज

**अमरोहा (सब का सपना):-** स्वास्थ्य सुविधाओं के मोर्चे पर अमरोहा जिले ने पूरे प्रदेश में अपनी कामयाबी का परचम लहराया है। जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्रदेश में प्रथम रैंक मिली है। इस उपलब्धि के पीछे मुख्य वजह जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की नियमित मॉनिटरिंग और बेहतरीन प्रबंधन है, जिसका नतीजा है कि पिछले महज तीन महीनों में इन केंद्रों से 2,44,392 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ मिल चुका है। अब ग्रामीणों को छोटी-मोटी बीमारियों या जांच के लिए मीलों दूर शहर की ओर दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है। जिले में इस समय कुल 194 आरोग्य मंदिर चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से शासन द्वारा 156 केंद्रों पर कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) नियुक्त किए गए हैं। ये सीएचओ जन समुदाय की सहभागिता के साथ ग्रामीणों को अच्छी से अच्छी सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। इन केंद्रों को पूरी तरह से आधुनिक बनाया गया है, जहां मरीजों को डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ टेलीमेडिसिन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं भी दी जा रही हैं। प्रत्येक आरोग्य मंदिर में रोजाना औसतन 20 से 25 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। ओपीडी में सबसे ज्यादा मरीज मौसमी बीमारियों, आंखों की समस्या, ईएनटी (ENT), जोड़ों के दर्द (जॉइंट पेन), सर्दी-खांसी, गैस्ट्रिक और एलर्जी की शिकायत लेकर आते हैं। इसके अलावा इन केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं व बच्चों की देखभाल, संचारी व गैर संचारी रोगों का प्रबंधन और टीबी (NTEP) व कुष्ठ रोग (NLEP) जैसी बीमारियों के मरीजों की भी देखभाल की जा रही है। मरीजों की सहूलियत के लिए यहांमलेरिया, डेंगू, एचआईवी, ब्लड शुगर सहित 14 प्रकार की जरूरी जांचें भी मुफ्त की जाती हैं। स्वास्थ्य विभाग केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि बीमारियों से बचाव पर भी जोर दे रहा है। गांवों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए जन समुदाय के समन्वय से समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन केंद्रों पर वेलनेस कैलेंडर के अनुसार विभिन्न स्वास्थ्य गतिविधियां नियमित रूप से की जाती हैं। अमरोहा को सूबे में सिरमौर बनाने के पीछे जिलाधिकारी की अहम भूमिका रही है। डीएम के द्वारा सीएमओ एवं प्रबंधकों के साथ समय-समय पर कार्यों की गहन समीक्षा की जाती है। कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तेजी बनाए रखने के लिए पोर्टल का डेटा व्हाट्सएप के माध्यम से भी शेयर किया जाता है और अधिकारियों द्वारा लगातार क्षेत्रीय भ्रमण किया जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं को भविष्य में और भी बेहतर बनाने के लिए विभाग ने खास रणनीति तैयार की है। विभाग का लक्ष्य है कि आगे भी लगातार अच्छा कार्य किया जाए और वीएचएसएनसी (VHSNC) व ग्राम सभा के पूर्ण सहयोग से जन-जन तक सेवाएं पहुंचाई जाएं, साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों को और रफ्तार दी जाए।

# किसान के खाली पड़े खेत में मिला नर कंकाल क्षेत्र में दहशत पुलिस जांच में जुटी

**नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):-** क्षेत्र के ग्राम मायापुरी चमरोला के बीच दानियापुर मौजा में एक महिला किसान मुनेश देवी के गन्ने के खेत के पास खाली पड़े खेत में आज एक नर कंकाल मिला जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई और। ग्रामीण घनश्याम सिंह ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही नांगल थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौड़ पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और गहन मुआयना किया। प्रारंभिक जांच में एक नरमुंड और हड्डियों के कुछ टुकड़े पाए गए। इसके बाद उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया और फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर नर कंकाल के सैंपल एकत्रित किए। पुलिस ने आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इन अवशेषों को राजकीय जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने भी घटना की जानकारी ली और मामले में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। पुलिस क्षेत्राधिकार नितेश प्रताप सिंह के अनुसार, पोस्टमॉर्टम के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि अवशेष कितने पुराने हैं और यह नर है। पहचान सुनिश्चित करने के लिए डीएनए सैंपल भी सुरक्षित रखवाया जाएगा। वर्तमान में पुलिस आसपास के क्षेत्रों में गहन छानबीन कर रही है और मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद नरमुंड और हड्डियों के अवशेषों का नियमानुसार अंतिम संस्कार करवाया जाएगा।

# पुलिस ने मन्दिर में चोरी करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

**आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद भर में पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना आदमपुर पुलिस ने एक चोरी के मामले में कार्यवाही करते हुए चोरी की घटना का 24 घंटे के खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि थाना आदमपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के गांव गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर के चामुंडा मंदिर से दान पात्र से हुई चोरी के संबंध में थाने में पंजीकृत मुकदमा संख्या 51/2026 धारा 305 बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। जिसका पुलिस के द्वारा 24 घंटे के अंदर खुलासा किया गया। आदमपुर पुलिस ने चोरी की इस घटना के मामले में रघुवीर पुत्र किशनलाल हाल निवासी चामुंडा मंदिर ग्राम गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर थाना आदमपुर, जनपद अमरोहा एवं अमित कुमार पुत्र हरचरन सिंह निवासी ग्राम हिसामपुर थाना नखासा जिला संभल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

# नेशनल हाईवे 9 पर कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर,चालक की मौत

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर एक तेज रफ्तार कार ने ई रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, इस हादसे में ई रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। उधर सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने चालक को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ,बताया जा रहा है कि मृतक ई-रिक्शा चालक अपने परिवार का इकलौता ही कमाने वाला था जिसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बता दें कि मृतक की पहचान गजरौला शहर के मोहल्ला अल्लीपुर निवासी जरीफ के रूप में हुई है। जरीफ ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे।जरीफ के पिता फतुरी ने बताया कि गुरुवार की सुबह करीब 8:30 बजे जरीफ अपनी ई-रिक्शा लेकर घर से निकले थे। हाईवे स्थित यूएस कट के पास पहुंचने पर एक तेज गति से आ रही कार ने उनकी ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन तब तक ई-रिक्शा चालक की मौत हो चुकी थी।डायल 112 पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ई-रिक्शा चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां मौजूद डॉ. पल्लवी गंगवार ने उसे मृत घोषित कर दिया। जरीफ की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि हादसा करने वाली कार को कब्जे में ले लिया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

# ग्रामीण युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण का प्रशिक्षण, मिर्च और नींबू का अचार बनाना सिखाया

**चंदौसी/संभल(सब का सपना):-** राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र संभल द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम रोजगार योजना के अंतर्गत ग्रामीण बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान एवं जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर न्याय पंचायत मौलागढ़ की ग्राम सभा आटा, विकासखंड बनियाखेड़ा में किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण में भाग लेने वाले लाभार्थियों को लेखन सामग्री वितरित की गई। विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें स्वरोजगार के अवसरों के बारे में भी बताया। प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को व्यावहारिक जानकारी देते हुए मिर्च का अचार और नींबू का अचार बनाकर प्रयोगात्मक रूप से तैयार करना भी सिखाया गया, जिससे प्रतिभागी भविष्य में खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से अपना रोजगार शुरू कर सकें। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी नौसिंह द्वारा किया गया।

# महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु जागरूकता अभियान

**सम्भल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

# सम्भल के गांव भंबाच में ग्रामीणों ने ली बाल विवाह न करने की शपथ

**सम्भल(सब का सपना):-** बाल अपराधों के खिलाफ जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न द्वारा जनजागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सम्भल ब्लॉक के गांव भंबाच में ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान प्रयत्न संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने ग्रामीणों को बाल अपराधों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है, जिसे जड़ से खत्म करने के लिए समाज के हर व्यक्ति को आगे आकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कराना अपराध है। ऐसे विवाह के आयोजन में शामिल होने वाले सभी लोगों जैसे पंडित, नाई, हलवाई, टेंट संचालक या अन्य सेवा प्रदाता पर भी कार्रवाई हो सकती है। दोषी पाए जाने पर दो साल तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुमार्ना या दोनों का प्रावधान है। कार्यक्रम में ग्रामीणों से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना संबंधित हेल्पलाइन पर दें। इसके लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 और जेआरसी हेल्पलाइन 1800-102-7222 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति का छोटा सा प्रयास भी किसी बच्चे का पूरा जीवन बचा सकता है। इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजकुमारी, फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद सहित गांव के कई ग्रामीण मौजूद रहे।

# एनएसएस शिविर में स्वच्छता अभियान व मतदान जागरूकता रैली आयोजित

**चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):-** राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), एस. एम. कॉलेज चंदौसी द्वारा कौशल विकास हेतु युवा विषय के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का छठा दिन गुरुवार को ग्राम देवरखेड़ा स्थित राजेश कुमार सरस्वती विद्या मंदिर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशेष कुमार पांडेय के संयोजन में संपन्न हुआ। शिविर की शुरूआत स्वयंसेवकों द्वारा शिविर स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर की गई। इसके बाद स्वयंसेवकों ने गांव में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को आगामी चुनाव में निष्पक्ष, निर्भीक और शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया। रैली के पश्चात स्वयंसेवकों ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व विषय पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में आपदा प्रबंधन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अग्निशमन दल चंदौसी के प्रभारी ओमकार शर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए आपदा के समय साहस बनाए रखते हुए समस्याओं का समाधान करने की प्रेरणा दी। उन्होंने मानवीय और दैवीय आपदाओं के बीच अंतर समझाया तथा हर परिस्थिति में स्वयं और आसपास के वातावरण को सुरक्षित रखने के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी। इसके साथ ही ओमकार शर्मा ने विद्यार्थियों को अग्निशामक यंत्रों के उपयोग की जानकारी दी और अग्निशमन विभाग में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में भी विस्तार से बताया। शिविर के सफल आयोजन में भूपाल सिंह शास्त्री, शरद शर्मा, सुरेश और जितेंद्र कुमार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

# गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर लगी उपभोक्ताओं की लंबी कतारें

## अमरोहा,धनौरा,बछरायूं, गजरौला सहित जनपद के कई नगरों में सिलेंडर के लिए मचा हाहाकार

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में इन दिनों आम जनता की रसोई का जायका बिगड़ गया है। आलम यह है जिले में घरेलू गैस की भारी मात्रा होने के बावजूद भी हाहाकार मचा हुआ है। लोग अपने घरों से 6:00 बजे ही सिलेंडर लेकर एजेंसी जाकर खड़े होकर लाइन लगाए हुए हैं हालांकि ऑनलाइन बुकिंग के बाद सिलेंडर देने का एजेंसी स्वामी आश्वासन दे रहे हैं उसके बाद भी उपभोक्ताओं में मानो जैसे धैर्य ने जवाब दे दिया है हालांकि अमरोहा डीएम निधि गुप्ता वत्स ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहां है कि जिले में गैस की कमी नहीं है और अपना धैर्य बनाए रखें सबको सिलेंडर मिलेगा कृपया अफवाह ना फैलाएं तो वहीं पब्लिक भी किसी को सुनने को तैयार नहीं है और बस घर से सिलेंडर लेकर हर एक व्यक्ति निकल पड़ा है गैस भरवाने अमरोहा की सड़कों एवं एजेंसियों पर यह हुजूम किसी मेले का नहीं, बल्कि एक घरेलू गैस सिलेंडर के लिए संघर्ष करती जनता का है। शहर में गैस एजेंसी के बाहर सुबह 6बजे से ही लंबी-लंबी कतारें लग गईं। ग्राहकों का कहना है कि ऑनलाइन बुकिंग किए 5 से 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन गैस की सप्लाई का कोई अता-पता नहीं है। सुबह काम-काज छोड़कर लोग लाइन में लगने को मजबूर हैं, फिर भी घंटों इंतजार के बाद कई लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।वितरण व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। जहां एक ओर जनता में भारी आक्रोश है, वहीं एजेंसी संचालकों का तर्क है कि ऊपर से ही डिमांड के मुकाबले सप्लाई कम आ रही है। आपूर्ति और मांग के बीच की इसी खाई ने शहर में अफरा-तफरी का माहौल पैदा कर दिया है।मामले की गंभीरता को देखते हुए चौपला चौकी इंचार्ज सुधीर कुमार ने गैस गोदाम पर पहुंचकर खुद व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

# ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

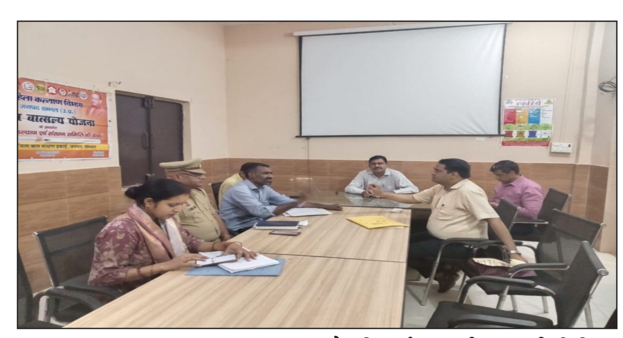

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में गुरुवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं सरंक्षण समिति की बैठक खण्ड विकास अधिकारी अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड पवांसा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालको को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी उषा यादव द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं सरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुडी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल सिंह ने सरकार द्वारा बालकों एवं छात्राओं के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे 1098, 181 112, 1076 आदि हेल्पलाइन नंबर जिनका प्रयोग आपातकाल स्थिति में किया जा सकता है के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। सहायक विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमे किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में बाल कल्याण समिति से सदस्य गौरव शर्मा, प्रभारी प्रयत्न संस्था जस्ट राइट्स फॉर चिल्डेन से गौरी शंकर चौधरी, शिक्षा विभाग से हरवीर सिंह, पुलिस विभाग से नरेन्द्र सिंह (एस.आई), मुल्की सिंह सागर, वीरभान आदि उपस्थित रहे।

# बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बालिकाओ को दिया गया आत्मरक्षा व योग प्रशिक्षण

**सम्भल(सब का सपना):-** जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सम्भल कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय गुन्नौर, की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, साथ जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला भी कर सकें, ताइक्वांडो प्रशिक्षक सुरेश कुमार, तंजीम हादी, व महिला खिलाड़ी ब्लैक बैल्ट होल्डर रेखा, पूर्वी ने सभी बालिकाओं को फ्रंट जंप किक, साइड किक, बैक किक , फिंगर अटैक व टू हैंड सेल्फ डिफेंस का अभ्यास कराया। इसके साथ साथ बालिकाओं को शीर्षासन, वकासन, चक्रासन , वृक्षासन का भी अभ्यास कराया गया। सुरेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के लिए ये मुहिम मील का पत्थर साबित होगी। इसके साथ ही सभी विद्यालय के पीटीआई शिक्षकों को भी अभ्यास कराया जा रहा है ताकि कैंप के बाद भी बालिकाओं को निरंतर अभ्यास कराया जा सके व बालिकाएं राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकें। ताइक्वांडो कोच ब्लैक बैल्ट धारक रेखा ने बताया कि हर माता पिता को अपनी बालिकाओं को मार्शल आर्ट सीखना चाहिए जिससे आत्मरक्षा के गुर के साथ साथ बालिकाओं के आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। ग्रामवासियों ने भी सरकार की इस योजना की तारीफ की।

छात्राओ को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजना यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, गुड़ टच एवं बैड टच, बाल विवाह के दुष्परिणाम, बसल श्रम के दुष्प्रभावों आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# डीएसएम शुगर मिल का पेराई सत्र सम्पन्न, यूनिट हेड ने जताया आभार

**रजपुरा/संभल(सब का सपना):-** बुधवार को डीएसएम शुगर मिल रजपुरा का पेराई सत्र सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यूनिट हेड आशीष कुमार शर्मा ने मौजूद किसानों, फैक्ट्री के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। यूनिट हेड आशीष कुमार शर्मा ने कहा कि मिल के सफल पेराई सत्र के लिए किसानों का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन संभल, बुलंदशहर और बदायूं के अधिकारियों सहित गन्ना विभाग और मिल से जुड़े सभी अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह मिल सभी किसान भाइयों की है और मिल हमेशा किसानों के साथ तन, मन और धन से खड़ी है। मिल को आगे बढ़ाने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसान आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने की अच्छी बुवाई करेंगे और मिल को अधिक मात्रा में गन्ने की आपूर्ति करेंगे। आशीष शर्मा ने किसानों से कहा कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी होती है

तो वह उनसे किसी भी समय मिल सकते हैं, वह 24 घंटे किसानों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों का भी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

# सपा कार्यकर्ता शेर मोहम्मद अल्वी ने रोजेदारों को कराया इफ्तार, भाईचारे का दिया संदेश

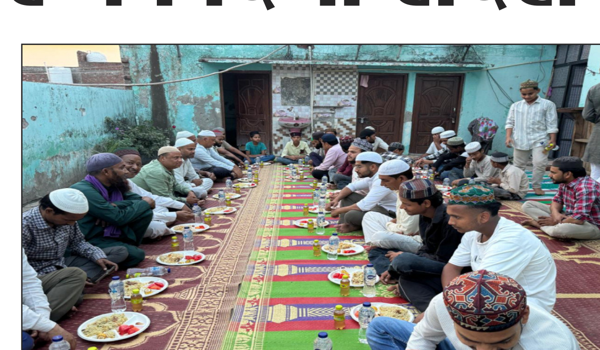

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पवित्र रमजान माह के अवसर पर गुरुवार को बहजोई के टंकी मोहल्ला निवासी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता शेर मोहम्मद अल्वी द्वारा अपने आवास पर रोजेदारों के लिए भव्य इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इफ्तार में बड़ी संख्या में रोजेदारों और बहजोई के लोगों ने भाग लिया और सभी ने एक साथ रोजा खोलकर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की। इफ्तार कार्यक्रम के दौरान रोजेदारों के लिए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी। अजान होते ही सभी ने मिलकर रोजा इफ्तार किया और देश व प्रदेश में शांति, तरक्की और भाईचारे की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद भी दी। इस अवसर पर शेर मोहम्मद अल्वी ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना इंसानियत, आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। इस महीने में लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर इबादत करते हैं और जरूरतमंदों की मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में आपसी सद्भाव और एकता को मजबूत करने का काम करते हैं। उन्होंने सभी रोजेदारों और क्षेत्रवासियों का इफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। इफ्तार कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक लोग,स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल आपसी सौहार्द और भाईचारे से परिपूर्ण रहा।

# सरकारी योजनाओं में लापरवाही पर सख्त डीएम, असहयोगी बैंकर्स पर कार्रवाई की चेतावनी

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सरकारी रोजगारपरक योजनाओं में लापरवाही बरतने वाले बैंकर्स के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि शासकीय योजनाओं में असहयोगी रवैया अपनाने वाले बैंक अधिकारियों को जिले में नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने ऐसे बैंक शाखा प्रबंधकों के नाम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिन्होंने अब तक मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत नहीं किया है, ताकि उनके विरुद्ध शासन और संबंधित बैंक के उच्च अधिकारियों को कार्रवाई के लिए लिखा जा सके।

जिलाधिकारी यह निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित डीएलआरसी एवं डीसीसी की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए दे रही थीं। उन्होंने बैंक नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे डीएलआरसी की बैठकों में स्वयं उपस्थित रहें। यदि किसी कारणवश उपस्थित होना संभव न हो तो नामित अधिकारी को पूरी जानकारी के साथ बैठक में भेजा जाए, ताकि बैठक में तय बिंदुओं पर प्रभावी चर्चा हो सके। बैठक के दौरान प्राथमिकता क्षेत्र में एसीपी के तहत 2025-26 के वार्षिक लक्ष्य की समीक्षा की गई। इस दौरान यूको बैंक और इंडियन बैंक की उपलब्धि 40 प्रतिशत से कम रहने पर नाराजगी जताई गई। वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों में नैनीताल बैंक की मात्र 3 प्रतिशत, यस बैंक की 4 प्रतिशत और आईडीबीआई बैंक की 11 प्रतिशत उपलब्धि पर भी असंतोष व्यक्त करते हुए लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए जिले में 1750 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 2563 आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं। इनमें से 1026 आवेदन स्वीकृत हुए, जिनमें 1008 मामलों में ऋण वितरित किया जा चुका है। 597 आवेदन स्वीकृति के लिए और 110 आवेदन ऋण वितरण के लिए लंबित हैं, जबकि 1220 आवेदन निरस्त किए गए हैं। बैठक में सकल कृषि अग्रिम योजना, प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को दिए गए ऋणों की भी समीक्षा की गई।

इसके अलावा राष्ट्रीय शहरी व ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम विश्वकर्मा योजना, अटल पेंशन योजना, ओडीओपी, मुख्यमंत्री फसल बीमा योजना और किसान क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक अखिल कुमार सिंह, नाबार्ड के डीडीएम, खादी ग्रामोद्योग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

# गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा, युवक-युवती घायल

**चांदपुर/बिजनौर(सब का सपना):-** क्षेत्र के जलीलपुर में गुरुवार को गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पीछे से ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक और एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि घटना क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलीलपुर के पास हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दोनों युवक-युवती सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत सीएचसी जलीलपुर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन डायल-108 एंबुलेंस के काफी देर तक न पहुंचने पर गंभीर रूप से घायल युवक को निजी वाहन से हायर सेंटर भेजना पड़ा। पुलिस ने पीछा कर फरार ट्रैक्टर चालक को गन्ने की खाली ट्रॉली के साथ पकड़ लिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# बस स्टैंड पर अचेत मिले व्यक्ति की अस्पताल में मौत, शव की शिनाख्त के प्रयास

**बिजनौर (सब का सपना):-** शहर के बस स्टैंड पर अचेत अवस्था में मिले एक अज्ञात व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है और उसकी शिनाख्त कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 9 बजे बिजनौर बस स्टैंड पर एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना

मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और करीब 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को उपचार के लिए जिला अस्पताल बिजनौर ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार व्यक्ति के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।

पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है तथा मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही अग्रिम विधिक कार्रवाई के तहत पंचनामा की प्रक्रिया भी की जा रही है।

# गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी पर लंबी कतार, उपभोक्ता परेशान

**बिजनौर (सब का सपना):-** शहर में रसोई गैस की किल्लत के चलते उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैराज रोड स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर गुरुवार को गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लंबी कतार लग गई। उपभोक्ताओं का कहना है कि ग्राहक सेवा नंबर पर गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है, जिसके कारण उन्हें मजबूरन एजेंसी पर पहुंचकर घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। इसके बावजूद कई लोगों

को सिलेंडर नहीं मिल पा रहा और मायूस होकर वापस लौटना पड़ रहा है। कुछ उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि करीब 25 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने एजेंसी संचालकों पर गैस की कालाबाजारी करने का भी आरोप लगाया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी पर घंटों इंतजार करने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

# ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी बारातियों से भरी बस, 15 घायल

**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** बुधवार को सड़क हादसा में बारातियों से भरी बस ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा कर घुस गई, जिसमें करीब 15 बाराती घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हर तरफ से रोने चीखने व चिल्लाने का शोर मच गया। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने लोगों को निकाला। बताया जा रहा है कि बारातियों से भरी बस समीपुर से रायपुर सादात की ओर जा

रही थी। रास्ते में कनकपुर पुल के पास बस अचानक सामने चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। हादसे में बस में सवार करीब 15 बाराती घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। कुछ घायलों को पूजा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई है।

# बस स्टैंड पर अचेत मिले व्यक्ति की अस्पताल में मौत, शव की शिनाख्त के प्रयास

**किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** मामूली विवाद को लेकर सरायइम्मा गांव में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला करते नजर आ रहे हैं। घटना किरतपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। मारपीट के दौरान एक महिला

गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# मोबाइल ऐप से होगी जनगणना 2027, फील्ड ट्रेनर्स को दिया गया प्रशिक्षण

**बिजनौर (सब का सपना):-** आगामी जनगणना 2027 को सुव्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले में फील्ड ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय वर्धमान डिग्री कॉलेज में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ, जिसमें फील्ड अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया और डिजिटल प्रणाली से जुड़ी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से मोबाइल ऐप के जरिए की जाएगी। इससे आंकड़ों को तेजी से एकत्रित करने और उन्हें तुरंत संबंधित पोर्टल पर भेजने में सुविधा होगी तथा त्रुटियों की संभावना भी

काफी कम हो जाएगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित फील्ड ट्रेनर्स को निर्देश दिया कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निभाने के लिए प्रशिक्षण को ध्यानपूर्वक ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान यदि किसी प्रकार की शंका हो तो उसे मास्टर ट्रेनर्स से तुरंत स्पष्ट कर लिया जाए, ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी राजस्व वानिया सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य फील्ड अधिकारियों को डिजिटल उपकरणों, मोबाइल ऐप और जनगणना से संबंधित प्रक्रियाओं से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि इस बार डेटा संकलन के लिए मोबाइल एप्लीकेशन और ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित होगी।प्रशिक्षण सत्र के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने फील्ड कर्मचारियों को मोबाइल ऐप के माध्यम से रियल-टाइम डेटा एंट्री और सिंकिंग की तकनीकी जानकारी दी। इसके साथ ही प्रथम चरण के लिए निर्धारित 33 प्रश्नों, जिनमें आवास की स्थिति, बुनियादी सुविधाएं और संपत्ति से संबंधित जानकारी शामिल है, पर भी विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर जिला प्रभारी जे.पी. यादव, प्रभारी अधिकारी जनगणना नितिन कुमार, मास्टर ट्रेनर डॉ आकाश अग्रवाल, डॉ अमित कुमार, डॉ राजीव बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी और फील्ड ट्रेनर्स मौजूद रहे।

# गरीबों की ईद की पहले करें व्यवस्था:- मौलाना अनवारुल हक

**नजीबाबाद/बिजनौर(सब का सपना):-** ईद से पहले जरूरतमंद परिवारों की मदद करने का आह्वान करते हुए मौलाना मौलाना अनवारुल हक ने कहा कि ईद का चांद तलाश करने से पहले अपनी बस्ती में ऐसे घरों को तलाश करना चाहिए, जहां अभी तक ईद की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है।यह बातें उन्होंने विश्व मानवाधिकार परिषद द्वारा नई बस्ती में आयोजित ईद किट वितरण कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम का आयोजन मोहम्मद असलम के आवास पर किया गया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उन परिवारों की मदद जरूर की जानी चाहिए, जिनके घर के जिम्मेदार सदस्य किसी कारणवश जेल में बंद हैं और उनके परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस बस्ती में सभी लोग ईद मनाएं,

लेकिन कोई गरीब परिवार अपनी मजबूरी के कारण ईद की खुशी से वंचित रह जाए, उस बस्ती पर खुदा की रहमत नहीं बरसती। राष्ट्रीय सचिव तहसीम अहमद ने कहा कि पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी परिषद देश और प्रदेश की विभिन्न जेलों में बंद निर्दोष कैदियों की मदद कर रही है और उनके परिवारों तक ईद की खुशियां पहुंचाने का प्रयास कर रही है। जिला महासचिव एडवोकेट मोहम्मद मोहसिन ने कहा कि यदि जीवन में सच्ची खुशी और सुकून चाहिए तो गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना शुरू करें। दौलत से शोहरत और तरक्की मिल सकती है, लेकिन दिल का सुकून केवल इंसानियत की सेवा से ही मिलता है। इस अवसर पर मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष आदिल इरफान, हाफिज अनवार, महबूब कस्सार, इमरान मंसूरी, नसीम अहमद, इंतजार अहमद, मोहम्मद फय्याज, कासिम प्रधान, मोहम्मद आरिफ, शहजेब, मोहम्मद अशरफ, अकदस सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# एनएसएस शिविर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** रमा जैन कन्या महाविद्यालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन ह्यस्वास्थ्य जागरूकता दिवसह्ल के रूप में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नि:शुल्क रोग परीक्षण व उपचार की व्यवस्था की गई। गांव खैरुल्लापुर में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में नाक, कान, गला व त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. शोभित पुष्पक ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। कई

मरीजों की एंडोस्कोपी के माध्यम से जांच भी की गई तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर डॉ. शोभित पुष्पक ने स्वयंसेविकाओं एवं ग्रामवासियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से छात्राओं में सेवा भावना का विकास होता है और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है। शिविर में महाविद्यालय के निदेशक डॉ. के.सी. मठपाल, डॉ. अंकुर अग्रवाल व डॉ. दीप्ति माहेश्वरी ने भी अपनी उपस्थिति से छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम अग्रवाल के निर्देशन में स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों की जांच कराने और दवाइयों के वितरण में सहयोग किया। शिविर में लोकेश, रामनाथ, हरपाल सिंह, ललिता प्रसाद, निर्देश, ज्योति, किरण, पारुल, सुनीता, मीठी, भूरिया, लीला, निर्मला, वंश, मूलो, सुमन, बलवंत, जयपाल सहित कई ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

# 17 मार्च को लगेगा बृहद रोजगार मेला, अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने के निर्देश

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिले में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 मार्च को राजकीय आईटीआई परिसर में बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसको सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई बिजनौर को निर्देशित किया कि बड़ी कंपनियों के उच्च अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें रोजगार मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाए। उन्होंने जिला सेवायोजन अधिकारी को भी निर्देश दिए कि वे अपने स्तर से कंपनियों से संपर्क कर अधिक से अधिक युवाओं के रोजगार की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को सेवायोजित करना है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने राजकीय और निजी आईटीआई के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि अपने-अपने संस्थानों से कोर्स पूरा करने वाले युवाओं को रोजगार मेले में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। बैठक में नगर निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि रोजगार मेले के दौरान स्थल पर साफ-सफाई और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गर्मी के मौसम को देखते हुए स्वच्छ पेयजल के लिए कैंपर आदि की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए।

वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को पर्याप्त पुलिस बल और महिला सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर से रोजगार मेले के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, नोडल प्रधानाचार्य मंजुल मयंक, उपायुक्त उद्योग, जिला सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

## बेटे-बहू का झगड़ा सुलझाना मां को पड़ा भारी, तेज धक्के से जमीन पर गिरी; चली गई जान

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में पति-पत्नी के बीच हो रहे झगड़े में बीच-बचाव करवाना बुजुर्ग मां को भारी पड़ गया। बेटे का गुस्सा इतना बढ़ गया जिसने मां की जान ले ली। मृतक की पहचान हमीदुन निशा के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक की बेटी शबनम की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने मृतक के बेटे शेर अली को गिरफ्तार कर लिया है। क्या है मामला पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी में एक दंपती में झगड़ा हो गया। यह झगड़ा इतना ज्यादा बढ़ा कि मां को बीच-बचाव के लिए आना पड़ा। हालांकि यही गलती मां को भारी पड़ गई। पत्नी से झगड़े के दौरान बेटा इतने गुस्से में था कि उसने मां को फर्श पर धक्का दे दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। सिर की इसी चोट ने मां की जान ले ली।

## दिल्ली हाई कोर्ट ने ड्यू के विरोध प्रदर्शनों के बैन पर उठाए सवाल, कहा- पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगा सकते

**नई दिल्ली।** दिल्ली यूनिवर्सिटी (ड्यू) और दिल्ली पुलिस के यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शनों पर पूरी तरह बैन लगाने के आदेश पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि विरोध प्रदर्शनों और जुलूसों पर पूरी तरह बैन नहीं लगाया जा सकता।.लेकिन पूरी तरह बैन लगाना सही नहीं चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि अगर कानून-व्यवस्था का कोई उल्लंघन होता है, तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन पूरी तरह बैन लगाना सही नहीं हो सकता। बेंच ने ड्यू और पुलिस को एक हफ्ते के अंदर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। 17 फरवरी को जारी नोटिफिकेशन को चुनौती कोर्ट ने कहा कि हलफनामा देखने के बाद मामले पर फैसला लिया जाएगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी ड्यू के लॉ फैकल्टी के स्टूडेंट उदय भदौरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में प्रॉक्टर ऑफिस की तरफ से 17 फरवरी को जारी नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है।

## दिल्ली सरकार ने एलपीजी किल्लत को नकारा; कहा-राजधानी में गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य

**नई दिल्ली।** एलपीजी की किल्लत को लेकर चल रहीं अफवाहों के बीच दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। इसके साथ ही सरकार ने दिल्ली की जनता से अपील की है कि गैस आपूर्ति को लेकर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक घबराहट या भंडारण से बचें। उच्चस्तरीय बैठक में स्थिति की समीक्षा बुधवार को दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, दिल्ली पुलिस, राजस्व विभाग, इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड और विभिन्न तेल विपणन कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पश्चिमी एशिया में उत्पन्न युद्ध की परिस्थितियों के कारण एलपीजी की आपूर्ति बाधित होने संबंधी फैल रही अफवाहों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। केंद्र सरकार के निदेशों की जानकारी बैठक में इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गत नौ मार्च को एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए घरेलू (डोमेस्टिक) पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति, उसके उचित और समान वितरण और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घरेलू पीएनजी की कोई कमी नहीं दिल्ली में घरेलू उपयोग के लिए पीएनजी की कोई कमी नहीं है। साथ ही प्राथमिकताओं का पुनः निर्धारण करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगभग 80 प्रतिशत तक निर्बाध गैस आपूर्ति को नियमित कर दिया गया है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त भंडार तेल विपणन कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और कंपनियों के पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। तेल और गैस की सप्लाई पहले की तरह लगातार मिल रही है।

## दिल्ली के उत्तम नगर में मछली मंडी में लगी आग, 300 से ज्यादा झुग्गियां जलकर राख

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में मछली मंडी (मछली मार्केट) के पास बुधवार रात को भीषण आग लग गई। यह आग मटियाला क्षेत्र में मछली बाजार के आसपास फैली, जहां घनी आबादी और दुकानें-झुग्गियां हैं। दिल्ली फायर सर्विस को रात सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन आग से आसपास की कुछ दुकानें और झुग्गियां प्रभावित हुई हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी। दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं ताकि यह आगे न फैले। पुलिस और प्रशासन मौके पर मौजूद हैं।

# हीटवेव से बचाव के लिए जिला प्रशासन की तैयारी, कलेक्ट्रेट में बैठक कर अधिकारियों को दिए निर्देश

**बिजनौर (सब का सपना):-** गर्मी के मौसम में बढ़ते तापमान और संभावित लू के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से लू से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों को समय रहते सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि गर्मी के दिनों में हीटवेव का प्रभाव तेजी से बढ़ सकता है, इसलिए सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए बचाव संबंधी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करें। उन्होंने जनसामान्य से भी अपील की कि लू से बचाव के लिए जारी निर्देशों और सावधानियों का पालन करें, ताकि गर्मी के दुष्प्रभाव से बचा जा सके। बैठक के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ प्रशांत श्रीवास्तव ने लू से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए बताया कि घरों की खिड़कियों को रिफ्लेक्टर, एलुमिनियम पन्नी या

गत्ते से ढककर रखा जा सकता है, जिससे बाहर की गर्म हवा अंदर आने से रोकी जा सके। दोपहर के समय जिन खिड़कियों से तेज धूप आती है, वहां गहरे रंग के परदे लगाने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि स्थानीय मौसम के पूवानुमान पर नजर रखें और जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण भी लें। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों और पालतू जानवरों को बंद वाहनों में कभी अकेला न छोड़ें। अत्यधिक गर्मी के दौरान जहां तक संभव हो घर में रहें और यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो सिर और शरीर को कपड़े या टोपी से ढककर निकलें। इसके साथ ही हल्का और संतुलित भोजन करें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। लस्सी, छाछ, मट्ठा, बेल का शर्बत, नींबू पानी या आम का पना जैसे पेय पदार्थों का सेवन करने की भी सलाह दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में पानी और नमक की कमी होने पर लू लगने की आशंका बढ़ जाती है। हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, पार्किंसंस रोग या अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों तथा अधिक उम्र के व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। लू लगने के प्रमुख लक्षणों में तेज सिरदर्द, चक्कर आना, मिचली, थकान, तेज नाड़ी, त्वचा का लाल और शुष्क हो जाना तथा पसीना न आना शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है।

## स्वच्छ ऊर्जा की नई लहर... दिल्ली और तमिलनाडु में 17% घरों में ई-कुकिंग, सीईईडब्ल्यू रिपोर्ट में खुलासा

**नई दिल्ली।** भारत में स्वच्छ ऊर्जा और रसोई के आधुनिकीकरण को लेकर एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 'काउंसिल आन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर' (सीईईडब्ल्यू) के एक अध्ययन के अनुसार, देश के कई राज्यों में इलेक्ट्रिक कुकिंग (ई-कुकिंग) के प्रति रुझान तेजी से बढ़ा है। इस सूची में दिल्ली और तमिलनाडु सबसे ऊपर हैं, जहां तकनीक और जागरूकता के कारण परिवारों ने पारंपरिक ईंधनों के विकल्प के रूप में बिजली से चलने वाले उपकरणों को अपनाया है। प्रमुख राज्यों का प्रदर्शन अध्ययन के आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली और तमिलनाडु के लगभग 17 प्रतिशत परिवारों ने इंडक्शन कुकटाप, राइस कुकर और

माइक्रोवेव ओवेन जैसे उपकरणों को अपनी रसोई का हिस्सा बनाया है। इसके बाद तेलंगाना का नंबर आता है, जहां 15 प्रतिशत परिवार ई-कुकिंग का उपयोग कर रहे हैं। वहीं, केरल और असम में यह दर 12 प्रतिशत दर्ज की गई है। शहरी बनाम ग्रामीण अंतर ई-कुकिंग को अपनाने के मामले में शहरी और ग्रामीण भारत के बीच एक बड़ा अंतर स्पष्ट नजर आता है शहरी क्षेत्र : यहां ई-कुकिंग का विस्तार 10.3 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्र : ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा महज 2.7 प्रतिशत पर सिमटा हुआ है। राष्ट्रीय औसत : यदि पूरे देश की बात करें, तो अब तक केवल पांच प्रतिशत परिवारों ने ही ई-कुकिंग को पूरी तरह या आंशिक रूप से अपनाया है। किफायती विकल्प : बिजली बनाम एलपीजी सीईईडब्ल्यू का अध्ययन एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू की ओर भी इशारा करता है। वर्तमान में एलपीजी सिलिंडरों की बढ़ती कीमतों को देखते हुए, ई-कुकिंग एक सस्ता विकल्प साबित हो सकता है। विशेष रूप से उन परिवारों के लिए जिन्हें सब्सिडी आधारित बिजली मिलती है, बिजली पर खाना बनाना गैस की तुलना में अधिक किफायती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि शहरी भारत में ई-कुकिंग अपनी जगह बना रही है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे और बिजली आपूर्ति में सुधार की आवश्यकता है।

## 'नहीं है बजट, बंदर नहीं पकड़ पाएंगे', शिकायत पर ये है एमसीडी का जवाब; भय में जी रहे हर्ष अपार्टमेंट्स में 350 परिवार

**पश्चिमी दिल्ली।** द्वारका के सेक्टर-10 स्थित हर्ष अपार्टमेंट में पिछले कुछ समय से बंदरों का उत्पात इस कदर बढ़ गया है कि निवासियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। 320 फ्लैट्स वाले इस परिसर में बंदरों की टोली न केवल संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों के मन में दशहत पैदा कर रही है। कभी कभार की दस्तक अब बन गई डेरा स्थानीय निवासियों के अनुसार, पहले बंदर दो-तीन महीने में एक बार दिखाई देते थे, लेकिन अब स्थिति भयावह है। अब बंदर हर दूसरे-तीसरे दिन सोसाइटी में दाखिल होते हैं और घंटों डेरा जमाए रखते हैं। सबसे चिंताजनक पहलू बंदरों का आक्रामक व्यवहार

है। वे बच्चों का पीछा करते हैं, जिससे परिसर में डर का माहौल व्याप्त है। निगम का फंड वाला बहाना सोसायटी के निवासी महेश टाक ने बताया कि इस समस्या को लेकर फरवरी के मध्य में नगर निगम को औपचारिक शिकायत दी गई थी। लेकिन एमसीडी के संबंधित अधिकारी रवींद्र प्रसाद का कहना है कि विभाग के पास बंदर पकड़ने वालों को भुगतान करने के लिए बजट नहीं है। महेश टाक बताते हैं कि क्या प्रशासन किसी बच्चे पर हमले का इंतजार कर रहा है? हम नियमित टैक्स भरते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर हमें सिर्फ कागजी आश्वासन मिल रहे हैं। फंड की कमी बताकर नागरिकों की जान जोखिम में डालना कहां का न्याय है। हर्ष अपार्टमेंट्स के लोगों ने मांग की है कि प्रशासन बिना किसी देरी के इन बंदरों को पकड़कर वन क्षेत्रों में स्थानांतरित करे।उधर, जब नजफगढ़ जोन के पशु चिकित्सा विभाग अधिकारी से इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि फिलहाल बंदर पकड़ने वालों का कोई इंतजाम नहीं है। पहले अनुबंध के तहत कुछ लोग थे, लेकिन अब अनुबंध समाप्त हो चुका है। नए लोगों की तलाश हो रही है। इससे आगे उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

## दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध पर कसा शिकंजा, 4 महीने में मकोका के तहत 34 अपराधी गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली पुलिस ने मकोका का इस्तेमाल करने की कार्रवाई तेज कर दी है। दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सक्रिय अपराध सिंडिकेट्स को जड़ से खत्म करने के लिए "मकोका" (महाराष्ट्र कंट्रोल आफ आर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट) को अपना सबसे मुख्य हथियार बना रही है। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में 95 संगठित आपराधिक गिरोहों की पहचान की गई है, जिनके सदस्यों की संख्या में सैकड़ों में है। पिछले साल सितंबर से दिसंबर

केवल चार माह के भीतर, दिल्ली पुलिस ने संगठित अपराध के खिलाफ अभियान चलाकर 34 अपराधियों पर मकोका लगाया। पुलिस न केवल गैंगस्टरों, बल्कि उनके पूरे इकोसिस्टम (फाइनेंसर और लाजिस्टिक्स सपोर्ट) पर मकोका लगा रही है। क्राइम ब्रांच के विशेष आयुक्त देवेश चंद्र श्रीवास्तव का कहना है कि क्राइम ब्रांच ने स्पेशल मकोका सेल के साथ दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया है। संगठित अपराध के इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के एक बड़े कदम के तहत, क्राइम ब्रांच ने बीते अक्टूबर में एक मकोका सेल बनाया है। इस स्पेशल यूनिट का काम अंतरराज्यीय आपराधिक सिंडिकेट पर अंकुश लगाना है जो गैर कानूनी फाइनेंशियल फायदे के लिए हिंसा और धमकी का इस्तेमाल करते हैं। यह यूनिट जिलों और दूसरी यूनिट्स को मकोका के प्रविधान को असरदार तरीके से लागू करने के लिए गाइड और सलाह देती है, ताकि पैसे के फायदे के लिए संगठित अपराध में शामिल अपराधियों के खिलाफ किसी भी प्रोसेस में कमी की गुंजाइश खत्म हो सके। पारंपरिक यूनिट्स के उलट, मकोका सेल क्राइम के बिजनेस पर फोकस करता है और यह पक्का करता है

## छेनू गिरोह के दो खूंखार शूटर दिल्ली में गिरफ्तार, विरोधी गैंग की हत्या की रच रहे थे साजिश

**नई दिल्ली।** गैंगवार में विरोधी गिरोह के बदमाशों की हत्या की साजिश रच रहे यमुनापार के कुख्यात गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू गिरोह के दो शूटर राशिद उर्फ सोनू व फहीम उर्फ डैनी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। राशिद, मयूर विहार थाने का घोषित अपराधी है। उसपर 21 से अधिक केस दर्ज है। फहीम पर भी चार से अधिक केस दर्ज हैं। दोनों के पास से दो सेमी आटोमैटिक पिस्टल, पांच कारतूस और टाटा पंच कार जब्त। राशिद की जयपुर के विधायक पुरी थाने में 70 लाख की ज्वेलरी चोरी के मामले में भी तलाश थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक राशिद, त्रिलोकपुरी का रहने वाला है। उसके पिता बिजनौर (यूपी) में पेंटर का काम करते हैं। उसकी पहली आपराधिक संलिप्तता 2011 की है। राशिद पर चोरी, वाहन चोरी, सेंधमारी, छीना-झपटी, डकैती, शस्त्र अधिनियम व गैर इरादतन हत्या आदि के 21 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2025 में, उसे कामारेड्डी, आंध्र प्रदेश में सेंधमारी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। वहां वह एक माह तक जेल में रहा था। नवंबर 2025 में वह आगरा में शस्त्र अधिनियम के एक मामले में भी गिरफ्तार किया गया। वहां वह एक महीने से अधिक समय तक जेल में रहा था। बीते 29 जनवरी को जयपुर के विधायकपुरी थाने में लाखों के सोना-चांदी के गहने और 70 लाख नकदी चोरी के मामले में राशिद वांछित था। फहीम भी त्रिलोकपुरी का रहने वाला है। वह पहले फ्रीलांसर मसाजर के तौर पर काम करता था और बिना पढाई किए हड्डी के फ्रैक्चर का झोलाछाप डाक्टर है। वह राशिद के बचपन का दोस्त है, उसकी लाइफस्टाइल से आकर्षित होकर वह उसके साथ मिलकर आपराधिक वारदात करने लगा। फहीम पर पहले के चार केस दर्ज हैं। संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों बदमाश को उस समय गिरफ्तार किया जब वे अवैध हथियारों के साथ गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, रघुबीर नगर के पास एक लक्ष्य की तलाश में थे। यह गिरफ्तारी दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोहों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता है। पांच मार्च को क्राइम ब्रांच की एक टीम पश्चिमी दिल्ली में सक्रिय गिरोहों के बारे में इंटेलिजेंस इकट्ठा करने के लिए इलाके में थी। तभी हवलदार अजय कुमार को जानकारी मिली कि लुटेरों और चोरों का एक इंटरस्टेट गिरोह जो हाल ही में छेनू गिरोह में शामिल हुआ है, रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह हास्पिटल के पास आने वाला है। पुलिस टीम ने जब टाटा पंच को सफलतापूर्वक रोकने की कोशिश की तब कार में सवार दो अपराधी राशिद और फहीम गिरफ्तारी से बचने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन हाथापाई के बाद पुलिस टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

## दिल्ली में सीबीआई इंस्पेक्टर पर दो करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप, केस दर्ज; विभागीय जांच शुरू

**दक्षिणी दिल्ली।** मैदानगढ़ी थाना क्षेत्र में कथित सीबीआई इंस्पेक्टर की ओर से एक व्यक्ति से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपित ने पीड़ित को यह कहते हुए डराया कि सीबीआइ में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। पीड़ित ने जब दो करोड़ देने से मना कर दिया तो भयादोहन करते हुए उससे 50 हजार रुपये ले लिए। साथ ही हर महीने की पहली तारीख को 75 हजार रुपये देने का फरमान सुनाया। पीड़ित ने मैदान गढ़ी थाने में शिकायत दर्ज की। इधर, जानकारी मिलते ही कथित सीबीआई इंस्पेक्टर भी थाने पहुंचा और लिखित में दिया कि वह शिकायतकर्ता को जानता ही नहीं और न ही कभी उससे मिला। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने मंगलवार को मामला सीबीआई को अग्रेषित किया, जिस पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि दीपक फल्सवाल नामक व्यक्ति 22 जनवरी को महाबली पुरम, भाटी कलां स्थित उसके आवास पर आया। उसने स्वयं को सीबीआइ इंस्पेक्टर बताया। उक्त व्यक्ति ने शिकायतकर्ता को यह कहकर डराया-धमकाया कि उसके खिलाफ सीबीआइ में एक शिकायत दर्ज की गई है। इसका डर दिखाते हुए उसने फिरौती के तौर पर दो करोड़ रुपये की मांग की। आगे यह भी आरोप लगाया कि जब पैसे देने से मना कर दिया, तो आरोपित ने कथित तौर पर दबाव डालकर उनसे 50,000 रुपये ले लिए। इसके अलावा 75,000 रुपये प्रति माह की और मांग की। इसके बाद से आरोपित लगातार फेस टाइम काल के माध्यम से शिकायतकर्ता को परेशान करने लगा। उसे निर्देश दिया है कि वह सीधे उसके नंबर पर संपर्क न करे, ताकि उसकी लोकेशन ट्रैक न हो सके। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायतकर्ता ने अपने और आरोपित के बीच हुई बातचीत को रिकार्ड कर लिया है और सबूत के तौर पर प्रस्तुत किया है। सीबीआइ ने माना कि उपर्युक्त तथ्य प्रथम दृष्टया यह दशार्ते हैं कि सीबीआइ इंस्पेक्टर दीपक फल्सवाल ने "भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988" (जैसा कि 2018 में संशोधित किया गया)

## 'अब समय है बेटी बढ़ाओ का, महिलाएं करेंगी लीडरशिप', आईजीडीटीयूडब्ल्यू दीक्षा समारोह में बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली।** देश अब बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के दौर से आगे बढ़ चुका है और अब समय बेटी बढ़ाओ का है, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ये बातें कश्मीरी गेट स्थित इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय फॉर वूमेन (आइजीडीटीयूडब्ल्यू) के आठवें दीक्षा समारोह में कही। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, प्रबंधन और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ रही छात्राएं विकसित भारत की दिशा तय करेंगी। इस अवसर पर कुल 1181 छात्राओं को डिग्रियां दी गईं, जिनमें 31 पीएचडी, 212 मास्टर डिग्री और 938 स्नातक डिग्रियां शामिल हैं। 'डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं' मुख्यमंत्री ने छात्राओं से कहा कि यह डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं बल्कि जीवन के अगले चरण की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि देश अब वूमेन-लेड डेवलपमेंट की दिशा में आगे बढ़ रहा है और विज्ञान, तकनीक, प्रबंधन तथा शोध के क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनगिनत अवसर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार बेटियों की शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नई पहलें कर रही है। इसी क्रम में शुरू की गई लखपति बिटिया योजना के तहत बेटी के जन्म से लेकर उसकी स्नातक शिक्षा पूरी होने तक सरकार उसके खाते में चरणबद्ध आर्थिक सहायता देगी, ताकि वह आगे की

पढ़ाई या रोजगार के लिए मजबूत आधार तैयार कर सके। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आज का दिन केवल डिग्री लेने का नहीं बल्कि दुनिया को यह संदेश देने का है कि महिलाएं भविष्य की निमार्ता हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महिला सशक्तिकरण पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज महिलाएं ड्रोन तकनीक, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। नेत्रा नारी नेतृत्व परियोजना का भी जिक्र इस दौरान उन्होंने नेत्रा नारी नेतृत्व परियोजना का भी जिक्र किया, जिसके तहत आइजीडीटीडब्ल्यू की छात्राओं ने दिल्ली पुलिस की महिला कर्मियों को निगरानी ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रंजना झा ने बताया कि आइजीडीटीडब्ल्यू को पहले ही मूल्यांकन चक्र में नैक से ए+ ग्रेड और 3.27 सीजीपीए प्राप्त हुआ है। इसके अलावा टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग 2025 में ग्लोबल टाप इनोवेटिव यूनिवर्सिटी श्रेणी में 52वां स्थान व क्यूएस एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग (दक्षिण एशिया) में 292वां स्थान हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की छात्राएं राष्ट्रीय मंचों पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। स्मार्ट इंडिया हैकाथान और अन्य प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय की टीमों ने कई पुरस्कार जीते हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय का नया रिकार्ड प्लेसमेंट के क्षेत्र में भी इस वर्ष विश्वविद्यालय ने नया रिकार्ड बनाया। एक छात्रा को एक करोड़ रुपये वार्षिक पैकेज मिला, जबकि कई छात्राओं को 64 लाख रुपये तक के पैकेज प्राप्त हुए। माइक्रोसाफ्ट, एप्पल, अमेजन और वेल्स फार्गो जैसी कंपनियों ने भी बड़ी संख्या में छात्रों का चयन किया। कुलपति ने बताया कि पिछले वर्ष विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और शिक्षकों द्वारा 400 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए और 19 पेटेंट प्राप्त हुए। कई संकाय सदस्य स्टैनफोर्ड-एल्सेवियर की विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल हुए हैं।

# टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, 'लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने

के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

# सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ÷मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

# दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमे सुरक्षित रवाना : आईसीसी

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई है। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवान हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

# टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

### मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

### सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

### वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

# 'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन। इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वहीं किसी भी फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी। इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था। इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था। इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा।

# हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे। इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे। इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी। हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है। उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

# विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

**हैदराबाद (एजेंसी)।** विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

# जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

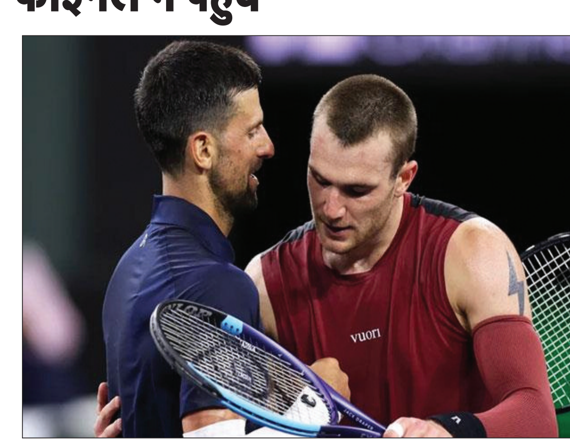

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे।

# आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है। इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे। ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा। साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं। पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद। वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी। पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी। बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे।

# युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

**मुम्बई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

### चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

### धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

### योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

### पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

# भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है। कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है। उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। । इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है। कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे।

## इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडिया में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

### 'लैला मजनू' का पार्ट 2

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

### कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

## मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।''

भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है। मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

## विद्या बालन की फिल्मों ने मेरा सोचने का तरीका बदल दिया

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार को किसी न किसी से प्रेरणा मिलती है, जिसकी मेहनत और काम देखकर वह आगे बढ़ने की हिम्मत पाता है। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू के लिए ऐसी ही प्रेरणा विद्या बालन हैं। तापसी ने बताया कि विद्या बालन की फिल्मों ने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि जब वह हिंदी फिल्मों में अपना करियर शुरू कर रही थीं, तब विद्या बालन की कुछ फिल्मों ने उन्हें यह भरोसा दिया कि महिला कलाकार भी मजबूत कहानियों के साथ लंबे समय तक इंडस्ट्री में टिक सकती हैं। तापसी ने कहा, ''विद्या बालन ने सिर्फ फिल्मों में अभिनय नहीं किया, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि एक अभिनेत्री अपने दम पर कहानी को आगे बढ़ा सकती है। मेरे लिए विद्या बालन एक हीरो हैं। उनकी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया। जब मैंने 'द डर्टी पिक्चर' और 'कहानी' जैसी फिल्में देखीं, तो महसूस हुआ कि सिनेमा में महिलाओं के लिए भी मजबूत और अलग तरह की कहानियां बन सकती हैं। अगर ये फिल्में उस समय नहीं आई होतीं, तो शायद मेरे जैसे कई कलाकारों को यह विश्वास ही नहीं होता कि वे भी लंबे समय तक इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।''

उन्होंने कहा, ''उस समय मैं हिंदी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत कर रही थी और अक्सर यह सवाल मन में आता था कि एक अभिनेत्री का करियर कितने समय तक चल सकता है पर विद्या बालन की फिल्मों को सफल होते देख मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया। उनकी फिल्मों ने बताया कि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा में अभिनेत्री भी मुख्य भूमिका निभा सकती हैं और फिल्म की सफलता का केंद्र बन सकती हैं।''

दरअसल, विद्या बालन को हिंदी सिनेमा में महिला प्रधान फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिछले दो दशकों में उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में काम किया है, जिनमें कहानी का पूरा भार उनके किरदार पर टिका होता है। 'नो वन किल्ड जेसिका', 'तुम्हारी सुलु' और 'शेरनी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और अभिनय के जरिए दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी फिल्मों ने साबित किया कि बॉलीवुड में सिर्फ बड़े हीरो ही नहीं, बल्कि अच्छी कहानी और दमदार अभिनय भी फिल्म को सफल बना सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि तापसी पन्नू और विद्या बालन एक साथ काम कर चुकी हैं। दोनों कलाकारों ने साल 2019 की चर्चित फिल्म 'मिशन मंगल' में एक साथ अभिनय किया था।

## कियारा आडवाणी नहीं होगी 'मधुबाला' की बायोपिक का हिस्सा

भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक मधुबाला की बायोपिक काफी वक्त से चर्चा का विषय बनी हुई है। बीच में ऐसी चर्चाएं थीं कि कियारा आडवाणी इस बायोपिक में मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। जबकि संजय लीला भंसाली इस फिल्म का निर्माण करेंगे। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि कियारा इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी। इंडस्ट्री से जुड़े एक अदरूनी सूत्र ने इस खबर को खारिज किया है। सूत्र ने बताया कि संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित मधुबाला की बायोपिक में कियारा आडवाणी के अभिनय की खबरों में कतई सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह निराधार और अटकलबाजी पर आधारित हैं। हालांकि, फिल्म के बारे में अधिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जसमीत के. रीन करेंगी। जसमीत ने आलिया भट्ट, शेफाली शाह और विजय वर्मा स्टारर ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा 'डार्लिंग्स' का भी निर्देशन किया था।

## अनुभव सिन्हा ने की अहान-अनीत की तारीफ

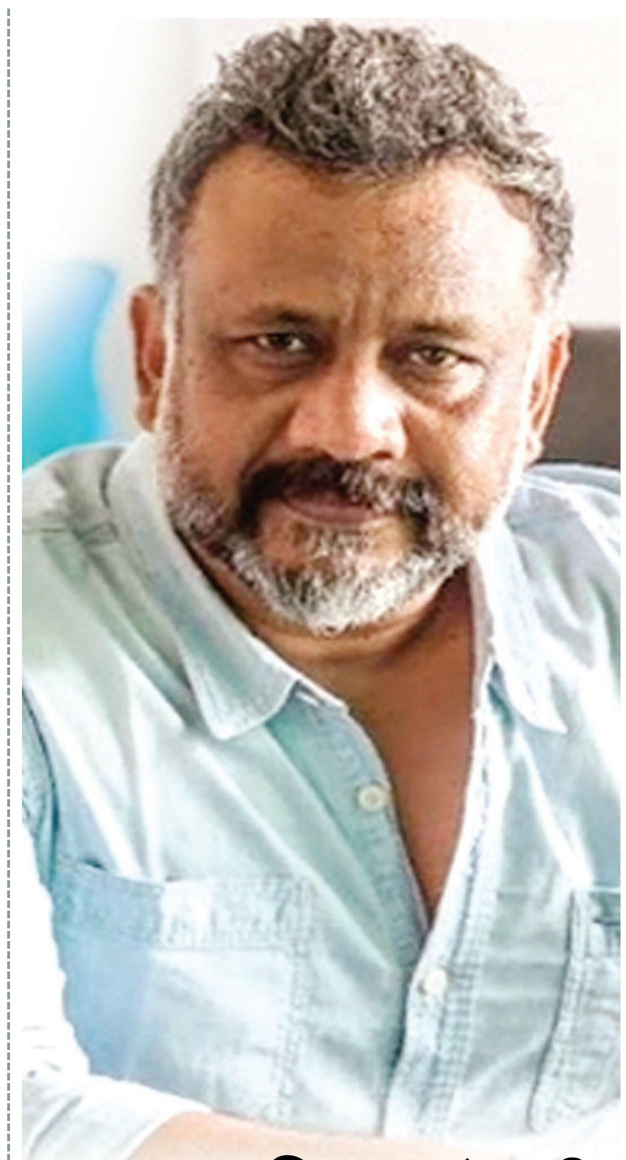

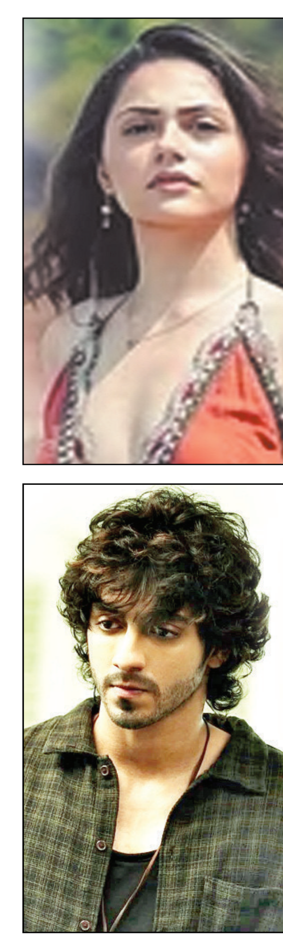

अपनी फिल्मों में सामाजिक मुद्दों को उठाने वाले निर्देशक अनुभव सिन्हा इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को पसंद किया जा रहा है और क्रिटिक्स से लेकर दर्शक तक इसकी कहानी की तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच अनुभव सिन्हा ने दो रोमांटिक फिल्मों 'सैयारा' और 'तेरे इश्क में' को लेकर अपनी राय रखी। साथ ही उन्होंने अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए सितारों की भी जमकर तारीफ की।जूम के साथ बातचीत में अनुभव सिन्हा ने 'सैयारा' की तारीफ करते हुए बताया कि किस बात ने उन्हें इस फिल्म के लिए आकर्षित किया। निर्देशक ने कहा कि ये दोनों बच्चे बहुत अच्छे हैं। अहान और अनीत, और उनकी फिल्म 'सैयारा' बहुत पसंद आई। दोनों कलाकार बेहद ईमानदार और सच्चे थे और वे दोनों एक ही फिल्म में इतना विश्वास रखते थे। इस दौरान अनुभव सिन्हा ने बताया कि उन्होंने रणवीर सिंह की 'धुरंधर', कृति सैनन की 'तेरे इश्क में' और सनी देओल की 'बॉर्डर 2' सहित हाल ही में रिलीज हुई ये तीनों फिल्में देखी हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि मैं विभिन्न शहरों का दौरा कर रहा था, इसलिए मैं विभिन्न सिनेमा हॉल में जाता था और 15-20 मिनट के लिए बैठकर फिल्म देखता था। इसलिए मैंने 'धुरंधर' के लगभग 5-20 मिनट देखे हैं। 'तेरे इश्क में' मैंने इसे भोपाल के एक थिएटर में देखी और 'बॉर्डर 2' मैंने हैदराबाद में देखी।

## बड़े पर्दे के लिए बनाई गई है 'सूबेदार'

एवरग्रीन एक्टर अनिल कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली समीक्षाएं ही हासिल हुई हैं। हालांकि, अनिल कपूर के अभिनय की काफी सराहना हुई। अब फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने भी फिल्म देखी है और इसकी समीक्षा की है। अनुराग कश्यप का मानना है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना चाहिए था। उन्होंने कलाकारों के अभिनय, एक्शन और फिल्म की सादगी की प्रशंसा की है।

### इसे बड़े पर्दे पर आना चाहिए था

अनुराग कश्यप ने 'सूबेदार' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने फिल्म से अनिल कपूर की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही फिल्म का रिव्यू करते हुए अनुराग ने लिखा, 'प्राइम वीडियो पर आई फिल्म 'सूबेदार' को सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए था। इसे सिनेमाघरों में देखना मुझे बहुत अच्छा लगता। यह साफ तौर पर बड़े पर्दे के लिए एनामोर्फिक तकनीक से शूट की गई है, बड़े पर्दे के लिए ही बनाई गई है। सुरेश त्रिवेणी बुंदेलखंड/चंबल की एक जीवंत दुनिया रचते हैं, जिसमें पितृसत्ता और विशेषाधिकार का भाव साफ झलकता है। जहां महिलाएं पुरुषों के बराबर पितृसत्तात्मक हैं और जो नहीं हैं, वे भी पुरुषों की तरह संघर्ष करती हैं। ये पुरुष प्रधान बीहड़ इलाके हैं, जहां कभी फूलन देवी का जन्म हुआ था।'

निर्देशक ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'दुनिया तब से बदली नहीं है, बल्कि और भी बदतर हो गई है। इसी दुनिया में हमारा सूबेदार आता है। जिस दुनिया ने पान सिंह तोमर को भी जन्म दिया, उसी दुनिया में यह पूर्व सैनिक पूरी तरह से असभ्य आम लोगों की दुनिया के खिलाफ खड़ा है। पूरी तरह से काल्पनिक, लेकिन इसे देखकर मुझे यकीन करने का मन करता है। तनाव (शोर कम करने वाले हेडफ़ोन लगाकर देखा) और दृढ़ता और खामोशी से भरपूर, और एक सुनियोजित गति के साथ। बहुत मजा आया, लेकिन अगर मैंने इसे दर्शकों से भरे थिएटर में देखा होता तो और भी ज्यादा आनंद आता।'

### कलाकारों के अभिनय को सराहा

कलाकारों के अभिनय की तारीफ करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा कि अनिल कपूर ने इस फिल्म में भी अपने अंदर की आग को बरकरार रखा है। फैसल मलिक शानदार हैं, मोना सिंह क्या नहीं कर सकतीं और आदित्य रावल ने छोटे शहर के, सोशल मीडिया से प्रभावित एल्विस यादव जैसे खलनायक का किरदार बखूबी निभाया है। जिससे मुझे नफरत होने का मन करता है। आखिर में मुझे राधिका मदान को और देखना है, जोशीली और संवेदनशील, वो चमक उठीं। मेरे हमेशा भरोसेमंद कल्लू मामा की एक्शन फिल्म 2026 में देखना मेरे कैलेंडर में नहीं था। मजा आया सर।

### ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है

अंत में टेक्निकल पक्ष की तारीफ करते हुए अनुराग ने कहा कि खूबसूरत दृश्यों की फोटोग्राफी, शानदार हाईवे चेज, शानदार एक्शन। ऐसे समय में जब हर कोई एक्शन के घिसे-पिटे पैटर्न को अपना रहा है, यहां की सादगी वाकई दिल को छू लेती है। इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई। इसे एक बार जरूर देखें। खास बात- रणवीर का किरदार निभाने वाला अभिनेता शानदार है। ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।